



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

27 वैशाख 1935 (श0)  
(सं0 पटना 391) पटना, शुक्रवार, 17 मई 2013

सं0 3ए-2-वे0पु0-06/2013-3637/वि0

वित्त विभाग

प्रेषक,

प्रभात शंकर,  
अपर सचिव,।

सेवा में,

सभी प्रधान सचिव/सचिव/  
सभी प्रमंडलीय आयुक्त/जिला पदाधिकारी।

दिनांक 10 अप्रील 2013

विषय :- मौलिक नियमावली के नियम 22(1)(ए)(1) के आलोक में विकल्प प्रयोग के सम्बन्ध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में कहना है कि वित्त विभागीय संकल्प संख्या 630, दिनांक 21.01.2010 एवं संकल्प संख्या 7566, दिनांक 14.07.2010 के द्वारा प्रोन्नति/वित्तीय उन्नयन प्राप्त होने पर उच्चतर वेतनमान में वेतन निर्धारण, मौलिक नियमावली के नियम 22(1)(ए)(1) के प्रावधान के आलोक में किए जाने का निर्णय संसूचित है।

2. नियम 22(1)(ए)(1) के प्रावधान के अनुसार वेतन निर्धारण हेतु सम्बन्धित कर्मी द्वारा यह विकल्प प्रयोग किया जाना है कि वे प्रोन्नति/वित्तीय उन्नयन की तिथि को वेतन निर्धारण करायेंगे अथवा वेतनवृद्धि की तिथि से। यह विकल्प आदेश/अधिसूचना निर्गत होने के एक माह के अंदर लिखित रूप से अराजपत्रित कर्मी द्वारा अपने कार्यालय प्रधान को और राजपत्रित कर्मी द्वारा कार्यालय प्रधान/महालेखाकार/वित्त वैयक्तिक दावा निर्धारण कोषांग को देना है।

3. ऐसे मामले प्राप्त हुए हैं कि सम्बन्धित कर्मों को प्रोन्नति/वित्तीय उन्नयन की सूचना अवकाश/प्रतिनियुक्ति पर रहने अथवा अन्य कारणवश ससमय प्राप्त नहीं हुई है और वे अपने विकल्प का प्रयोग नहीं कर पाये हैं। प्रोन्नति/वित्तीय उन्नयन/अधिसूचना में यह अंकित नहीं रहता है कि लाभान्वित कर्मों एक माह के अंदर विकल्प प्रयोग लिखित रूप में सक्षम प्राधिकार को अवश्य दें। फलतः वेतन निर्धारण का यथोचित लाभ उन्हें प्राप्त नहीं हो पाता है।

4. ऐसी स्थिति में ससमय सूचना प्राप्त नहीं होने के कारण जिन कर्मियों द्वारा इस पत्र के निर्गत होने की तिथि तक अपने विकल्प का ससमय प्रयोग नहीं किया जा सका है, उन्हें इस पत्र के निर्गत होने की तिथि के दो माह के अंदर उपरी कंडिका-2 में अंकित सक्षम प्राधिकार को विकल्प आवेदन निश्चित रूप से देना होगा। विकल्प आवेदन नहीं देने की स्थिति में वेतन निर्धारण प्रोन्नति/वित्तीय उन्नयन की तिथि से किया जाएगा तथा एक बार किया गया विकल्प प्रयोग अंतिम होगा।

5. इस पत्र के निर्गत होने के बाद के मामलों में यह छूट प्रभावी नहीं होगी।

6. भविष्य में इस सम्बन्ध में आदेश/अधिसूचना निर्गत करनेवाले प्राधिकार सम्बन्धित कर्मों को विकल्प प्रयोग के सम्बन्ध में निदेश उसी आदेश/अधिसूचना में अंकित करेंगे।

अतः अनुरोध है कि विकल्प प्रयोग के मामले में ऊपर अंकित निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

**विश्वासभाजन,  
प्रभात शंकर,  
अपर सचिव।**

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 391-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>